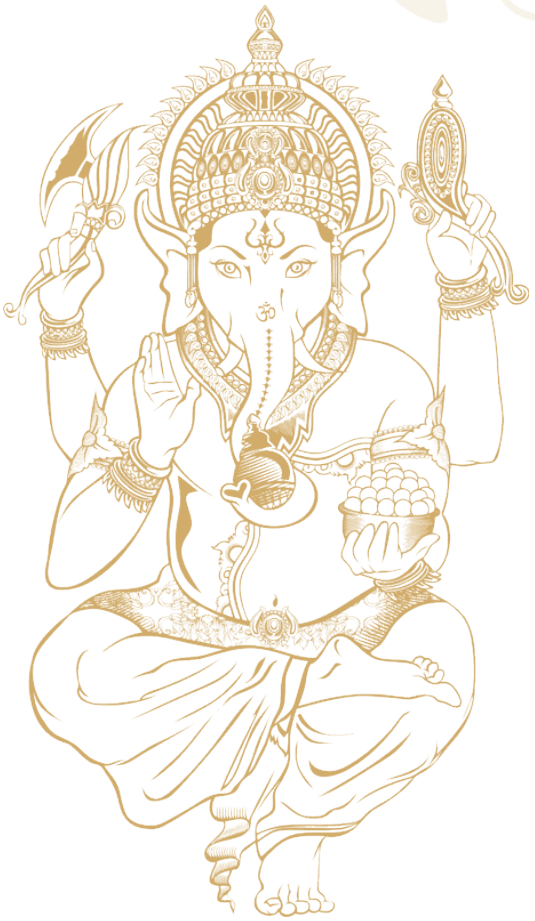

Aditi

12 Jan 1998

10:56 PM

Roorkee

Model: web-freekundliweb

Order No: 121156702

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**12/01/1998**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**22:56:00 घंटे**
इष्ट	39:11:30 घटी
स्थान	**Roorkee**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	29:52:00 उत्तर
रेखांश	77:53:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:37:32 घंटे
वेलान्तर	-00:08:12 घंटे
साम्पातिक काल	06:05:33 घंटे
सूर्योदय	07:15:23 घंटे
सूर्यास्त	17:38:15 घंटे
दिनमान	10:22:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	28:28:44 धनु
लग्न के अंश	07:22:51 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वैधृति
करण	बालव
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	हा-हर्षा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	07:22:51	315:00:33	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	---
सूर्य			धनु	28:28:44	01:01:06	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	28:29:53	12:56:32	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			मक	26:10:42	00:47:19	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	उच्च राशि
बुध			धनु	06:13:42	01:14:50	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
गुरु			कुंभ	00:56:27	00:13:16	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
शुक्र	व		मक	04:34:08	00:35:22	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	मित्र राशि
शनि			मीन	20:22:52	00:02:55	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
राहु	व		सिंह	17:41:17	00:07:53	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	17:41:17	00:07:53	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष			मक	13:56:29	00:03:25	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप			मक	05:33:02	00:02:16	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	13:18:51	00:01:49	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			मिथु	07:26:34	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:42

लग्न-चलित

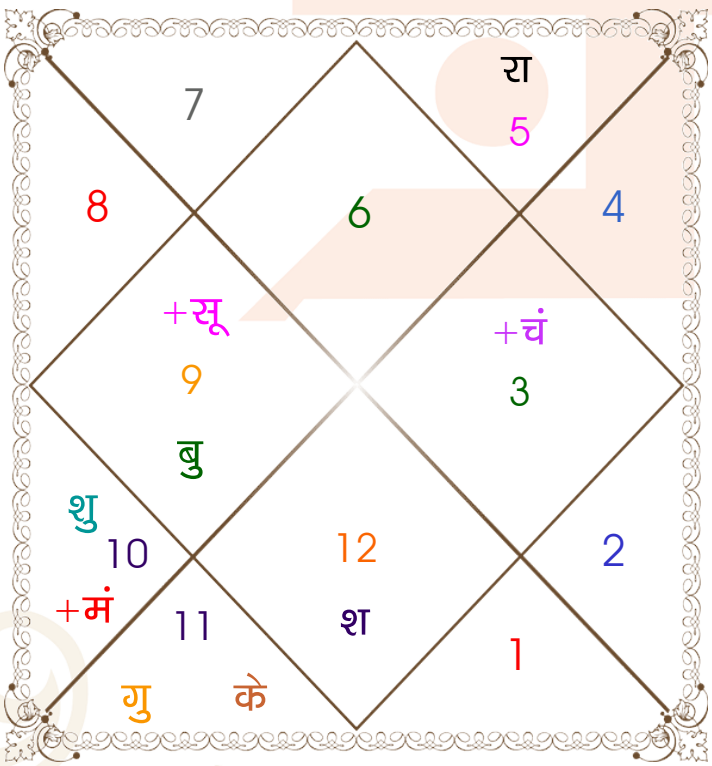

चन्द्र कुंडली

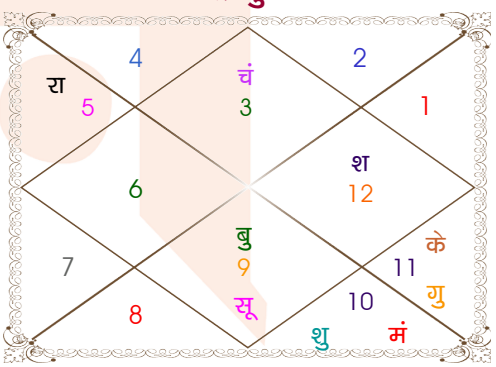

नवमांश कुंडली

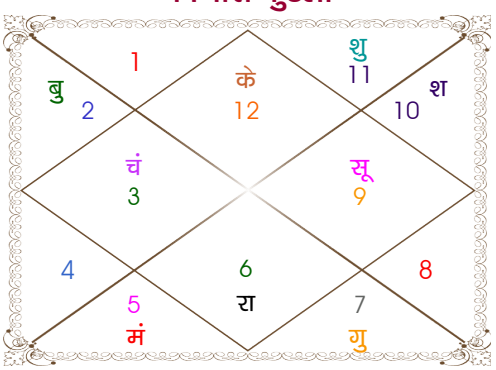

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 5 वर्ष 9 मास 19 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
12/01/1998		02/11/2003		02/11/2022		02/11/2039		02/11/2046	
02/11/2003		02/11/2022		02/11/2039		02/11/2046		02/11/2066	
	00/00/0000	शनि	05/11/2006	बुध	30/03/2025	केतु	30/03/2040	शुक्र	03/03/2050
	00/00/0000	बुध	15/07/2009	केतु	27/03/2026	शुक्र	30/05/2041	सूर्य	03/03/2051
	00/00/0000	केतु	24/08/2010	शुक्र	25/01/2029	सूर्य	05/10/2041	चंद्र	01/11/2052
	12/01/1998	शुक्र	23/10/2013	सूर्य	02/12/2029	चंद्र	06/05/2042	मंगल	01/01/2054
शुक्र	15/05/1998	सूर्य	05/10/2014	चंद्र	03/05/2031	मंगल	02/10/2042	राहु	01/01/2057
सूर्य	03/03/1999	चंद्र	05/05/2016	मंगल	29/04/2032	राहु	21/10/2043	गुरु	02/09/2059
चंद्र	02/07/2000	मंगल	14/06/2017	राहु	17/11/2034	गुरु	26/09/2044	शनि	02/11/2062
मंगल	08/06/2001	राहु	20/04/2020	गुरु	22/02/2037	शनि	04/11/2045	बुध	01/09/2065
राहु	02/11/2003	गुरु	02/11/2022	शनि	02/11/2039	बुध	02/11/2046	केतु	02/11/2066

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
02/11/2066		01/11/2072		02/11/2082		01/11/2089		03/11/2107	
01/11/2072		02/11/2082		01/11/2089		03/11/2107		00/00/0000	
सूर्य	19/02/2067	चंद्र	01/09/2073	मंगल	31/03/2083	राहु	14/07/2092	गुरु	21/12/2109
चंद्र	21/08/2067	मंगल	02/04/2074	राहु	17/04/2084	गुरु	08/12/2094	शनि	03/07/2112
मंगल	27/12/2067	राहु	02/10/2075	गुरु	24/03/2085	शनि	14/10/2097	बुध	09/10/2114
राहु	19/11/2068	गुरु	31/01/2077	शनि	03/05/2086	बुध	03/05/2100	केतु	15/09/2115
गुरु	08/09/2069	शनि	02/09/2078	बुध	30/04/2087	केतु	22/05/2101	शुक्र	13/01/2118
शनि	20/08/2070	बुध	01/02/2080	केतु	26/09/2087	शुक्र	22/05/2104		00/00/0000
बुध	27/06/2071	केतु	01/09/2080	शुक्र	25/11/2088	सूर्य	15/04/2105		00/00/0000
केतु	02/11/2071	शुक्र	03/05/2082	सूर्य	02/04/2089	चंद्र	15/10/2106		00/00/0000
शुक्र	01/11/2072	सूर्य	02/11/2082	चंद्र	01/11/2089	मंगल	03/11/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 5 वर्ष 10 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में कन्या राशि के लग्नोदय काल हुआ था। ज्योतिषीय स्वरूप से आपके जन्मलग्न के समय मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आप मात्र धन सम्पति प्राप्त करने के लिए अभिलाषी नहीं है। बल्कि आपकी अभिरूचि धार्मिक भी है। इस अध्यात्मिक झुकाव के परिणाम स्वरूप आप अनेक तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगी।

आप निश्चित रूप से कठिन श्रम के प्रति समर्पित प्राणी हैं। फलस्वरूप आप धनी सुखी और सम्पत्तिवान प्राणी होंगी। इस समर्पण की भावना से आप बहुत कुछ कर गुजारने हेतु प्रस्तुत है। जैसे जो आपको आवश्यकता पड़ने पर आपकी मदद किया है आप उनको भी अपनी मिथ्याचारी भावना से धोखा दे सकती हैं।

आप प्रेरित होकर सही दिशा में चलते रहेंगी। ग्रह के योग यह प्रदर्शित करते हैं कि आप को अपने जीवन के उत्थान पतन का अच्छा अनुभव प्राप्त होगा। लेकिन आप पूर्व समय की अकर्मण्यता को त्याग कर अपने समय का सदुपयोग सामान्य ज्ञान के आधार पर आपनी स्पन्दित आदतों को त्याग सकती हैं। आप अपनी योजना एवं कार्यकलाप के सम्बन्ध में सावधानी पूर्वक कार्यारम्भ के पूर्व निर्णय लेकर पुनः कार्यारम्भ करे तो श्रेयष्कर होगा। दूसरी बात यह है कि आप कन्या राशीय स्वभाव के अनुसार कार्य प्रारम्भ करते समय ही निर्णय लेती है और कार्य के पीछे पड़ जाती है। आपके उद्देश्य के अनुसार प्रथम रीति के अनुसार ही कार्य करना उत्तम विद्या है।

आप बुद्धिमान स्तर की प्राणी है। अतएव आप दूसरों की गलती को उजागर करती हैं। यह बिन्दु दूसरों के लिए क्रोध उत्पन्न कराने वाला कष्टप्रद होता है। आप अपने मित्रों के साथ भी सौदेबाजी करती हैं। इस परिस्थिति में कुछ लोग आपके शत्रु होकर आपकी व्यवस्था को अस्त व्यस्त कर आपके विरुद्ध न्यायालय में भी कोई बयान दे सकते हैं। आप इस प्रकार की आकस्मिक आपदा में धैर्य धारण करने की शिक्षा ग्रहण करें।

इस प्रकार अपनी प्रवृति में बदलाव लाना आपके लिए कठिन साध्य है। आपके लिए अच्छा कार्य व्यवसायों में औडिट, परीक्षक, अथवा आय से सम्बन्धित ऑफिस कार्य करना उपयुक्त है। आप उत्तम व्यवसाय हेतु लेखा निरीक्षक का कार्य कर सकती हैं क्योंकि आप में वाणिज्य-व्यवसाय करने की प्रतिभा है।

यदा-कदा आप अपने धन का निवेश व्यावसायिकी सट्टेबाजी या शेयर प्राप्ति में व्यय कर सकती हैं। आपके लिए धीरे-धीरे चलना उत्तम है बल्कि आपके द्वारा किया गया धन निवेश की वापसी यदा कदा बहुतायत अंश में होगा।

आप अपने घर परिवार के लिए बहुत भाग्यशाली हैं। आप के प्यारे पति भगवान की देन प्रमाणित होंगे। उनके द्वारा आपको अच्छी सन्तान की प्राप्ति होगी जों अपने जीवन में

अच्छी तरह सुव्यवस्थित हो जाएंगे। इसलिए आपका अपनी वासनात्मक प्रवृति के प्रति बदलाव लाना अच्छा होगा। ताकि आप अन्य के साथ शारीरिक सम्बंध स्थापित न करे। अन्यथा आप इस प्रकार कामुक प्राणियों में विख्यात हो जाएंगी।

आप निःसंदेह दीर्धायु होकर बहुत दिनों तक उत्तम स्वास्थ्य का आनन्द प्राप्त करेंगी। परन्तु आपके अधिक कामुक हो जाने पर रोग के प्रभाव से आपका शारीरिक ह्रास हो जाएगा तथा आप पीठ की हड्डियों के कष्ट तथा रक्तचाप के रोग से अक्रान्त हो सकती हैं। यदि आप प्रारम्भिक अवस्था से उत्तम अंगीकृत करें। अपने आहार व्यवहार को नियंत्रित रखें तो शाकाहार ग्रहण करें एवं मद्यपाण का त्याग कर दें तो आपका स्वास्थ्य उत्तम तथा बहुत अच्छा रहेंगा।

आपका भाग्यशाली अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है तथा आपके लिए उत्तम है।

आपके जीवन में रंग प्रदर्शन का बड़ा भाड़ी महत्त्व है। आपके लिए उत्तम रंग सफेद, सुआपंखी, पीला एवं हरा रंग अनुकूल एवं फलदायी है। आपको रंग लाल, नीला एवं काले रंग का परित्याग कर देना चाहिए क्योंकि ये रंग आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।